Chapter-4: सत्ता के वैकल्पिक केंद्र

- संसार से दो धुर्वीय सता की मुक्ति के साथ ही दो संघो की स्थापना हुई, पहली यूरोपीय संघ व दूसरी दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन आसियान की इन दोनों की बढ़ती शक्ति को अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाले वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देखा जा रहा है
- यूरोपीय संघ का आर्थिक, राजनैतिक तथा सैनिक प्रभाव जबरदस्त रहा 2005 में इसे विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखा गया
- यूरीपीय संघ के दो देश फ्रासं तथा ब्रिटेन सूरक्ष परिषद में स्थाई सदस्य है तथा इनके पास बड़ी मात्रा में परमाणु हथियार हैं
- अंतरिक्ष विज्ञान और संचार प्रौधोगिकी के मामले में यूरोपीय संघ का दुनिया में दूसरा स्थान है
- आसियान के संस्थापको:- इंडोनेशिया,मलेशिया, फिलीपीस, सिगापुर तथा थाईलैड ने 1967 में बैकाक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किये
- आसियान के आर्थिक समुदाय का प्रमुख उद्देश्य आसियान देशो को साझा बाजार तथा सामाजिक, आर्थिक विकाश के मदद करना है इन देशों ने टकराव रहित और सहयोगात्मक मेल-मिलाप के उदाहरण पेश किये जिसे आसियान शैली कहा गया
- विजन दस्तावेज 2020 में अन्तर्राष्ट्रीयसमुदाय में आसियान एक बर्हिमुखी भूमिका को प्रमुखता दी गई
- चीन के शाक थरैपी के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को चरणबद्द तरीके से शुरू क्या 1978 में चीन ने आर्थिक सुधारों और खुले दवार की नीति की घोषणा की SEZ (सेज) के निर्माण से विदेशी व्यापार की बढ़ोतरी हुई
- भारत व चीन के बीच 1962 में अरूणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों व अक्साइ-चिन क्षेत्रों को लेकर युद्द हुआ 1976 तक दोनों देशों के बीच कूटनीतिक सम्बन्ध समाप्त रहे
- दिसम्बर 1988 में राजीव गांधी के चीनी दौरे के बाद से टकराव टालने के प्रया बढ़े हाल के वर्षो में भारत-चीन ने अपने विवादों को अलग रखते हुए पारस्परिक आर्थिक और व्यापारिक सम्बन्धों को बढ़ाया है

- जापान ने दुसरे विश्व युद्द के पश्चात बड़ी तेजी से प्रगति की अर्थव्यवस्था की द्रिष्टि से विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है

evidyarthi